व्यवसायिक प्रबंधन में स्नातक
(बी. बी. ए.आर. आई. एल.)

सत्रीय कार्य
2026 –27

जाँच सत्रीय कार्य की अवधि - 1st जुलाई 2026 से 30th जून 2027

पंचम सत्र

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली –**1100 68**

व्यवसायिक प्रबंधन में स्नातक
(बी. बी. ए.आर. आई. एल.)

सत्रीय कार्य
2026–27

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, आपको प्रत्येक अवधि में एक अध्यापक जांच सत्रीय कार्य करना होगा ।

हम एक साथ **BRL-111, BRL-112, BRL-113, BRL-114, और BCOS-185** सत्रीय कार्य भेज रहे हैं ।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30% अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इस सत्रीय कार्य को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

1. वे छात्र जो दिसम्बर 2026 की सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं। वे 15 अक्टूबर 2026 तक जमा करवायें।
2. वे छात्र जो जून 2027 के सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं, उन्हें 15 मार्च 2027 तक जमा करवाना होगा।

आपको सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य को अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक को प्रस्तुत करना होगा।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	**बी. सी. ओ. एस. -185**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	**उद्यमिता**
सत्रीय कार्य का कोड	:	**बी. सी. ओ. एस. -185/टी. एम. ए./2026- 27**
खण्डों की संख्या	:	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – क

1. 'उद्यमिता' से आप क्या समझते हैं? भारत में उद्यमिता विकास की आवश्यकता की व्याख्या करें और आर्थिक विकास में उद्यमिता की भूमिका पर चर्चा करें। **(10)**

2. उद्यमशीलता दक्षताएँ (Entrepreneurial Competencies) क्या हैं? उन प्रमुख व्यवहारिक गुणों और कौशलों की पहचान करें और समझाएं जो एक सफल उद्यमी को एक पारंपरिक प्रबंधक से अलग करते हैं।। **(10)**

3. व्यवहार्यता अध्ययन (Feasibility Study) क्या है? बाज़ार व्यवहार्यता विश्लेषण (market feasibility analysis) के महत्व की व्याख्या करें और इसके प्रमुख घटकों का वर्णन करें। **(10)**

4. एक नए उपक्रम के वित्तपोषण के लिए उद्यमी को उपलब्ध विभिन्न निधि स्रोतों की व्याख्या करें। वित्तीय और गैर-वित्तीय संसाधन जुटाने के बीच अंतर स्पष्ट करें। **(10)**

5. सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (MSMEs) की अवधारणा की व्याख्या करें। लघु स्तरीय उद्योगों के सामने आने वाली समस्याओं पर चर्चा करें और इन चुनौतियों पर काबू पाने में संस्थागत सहायता प्रणालियों (institutional support systems) की भूमिका स्पष्ट करें। **(10)**

खण्ड – ख

6. उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र (Entrepreneurial Eco-system) की अवधारणा की व्याख्या करें। नए उपक्रमों को बढ़ने में सहायक अनुकूल उद्यमशीलता परिवेश के प्रमुख तत्व क्या हैं? **(6)**

7. नवाचार (Innovation) और आविष्कार (Invention) के बीच अंतर स्पष्ट करें। रचनात्मकता और नवाचार उद्यमशीलता की सफलता में किस प्रकार योगदान देते हैं? **(6)**

8. व्यावसायिक योजना (Business Plan) क्या है? एक नए उद्यम के लिए सुसज्जित परियोजना रिपोर्ट (project report) में सम्मिलित किए जाने वाले आवश्यक तत्वों की व्याख्या करें। **(6)**

9. भारत में स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र को मज़बूत करने के लिए सरकार द्वारा अपनाए गए उपायों पर चर्चा करें। **(6)**

10. सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (Ministry of MSME) द्वारा प्रारंभ की गई एस्पायर (ASPIRE) योजना की व्याख्या करें। यह उद्यमिता विकास में किस प्रकार सहायता करती है और लघु उद्यमों में नवाचार को कैसे बढ़ावा देती है? **(6)**

खण्ड – ग

11. **निम्नलिखित पर संक्षिप्त नोट लिखिए :** (5x2)

(क) स्वोट विश्लेषण (SWOT Analysis)

(ख) महिला उद्यमी (Women Entrepreneurs)

12. **निम्नलिखित के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए:** (5x2)

(क) उद्यमी और प्रबंधक (Entrepreneur and Manager)

(ख) व्यावसायिक विचार और व्यावसायिक अवसर (Business Idea and Business Opportunity)